श्याम आंचल मेरा छोड़ दो इस घडी

श्याम आंचल मेरा छोड़ दो इस घडी
पाँव यमुना में मेरी फिसल जायेगी
हर घड़ी की तेरी देख छेड़ अच्छी नही
देख लेगा कोई भेद खुल जाएगा
श्याम आंचल मेरा छोड़ दो इस घडी

सारी सखियों की पायल की धुन करने
गूंजे उठे ताने मुरली की संसार में
अब न मुरली बजाना मेरे सामने,
मेरा भी दिल वो बेहल जाएगा
श्याम आंचल मेरा छोड़ दो इस घडी

तूने बंसी बजा कर रिजाया मुझे
जाल में तूने अपने फसाया मुझे
एह कन्हियाँ सितम आ गया किरपा तुम करो
तेरे चरणों तले दम निकल जाएगा
श्याम आंचल मेरा छोड़ दो इस घडी

मैं हु जोगन तेरी तू मेरा प्राण हो
आ सफ़र में रहू मैं तेरी हर घड़ी
तू मगन होके मुरली में सुर खो के दो
कुछ तो संसार का दिल बेहल जायेगा
श्याम आंचल मेरा छोड़ दो इस घडी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16836/title/shyam-anchal-mera-chod-do-is-ghadi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |